Q.P. Code : 11303

III Semester B.Sc./B.S.R.C. Degree Examination, November/December 2019

(CBCS – Fresher – Repeaters – 2016-17 Onwards)

Language Hindi

Paper III – NATAK, SAHITYAKARONKA PARICHAY AUR SANKSHEPAN

Time : 3 Hours] *[Max. Marks : 70*

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए। **(10 × 1 = 10)**

1. अंग्रेजी कम्पनी में कौन काम कर रहा था?
2. अजित की शिक्षा कहाँ तक हुई थी?
3. बिना दिवारों के धर नाटक के नाटककार कौन हैं?
4. महिला विद्यालय के मंत्री का नाम लिखिए।
5. जयत्त की मुलाकान काफी हाउस में किससे होती है?
6. शोभा का विवाह किससे हुआ था?
7. सोलह वर्ष की आयु में कौन विधवा हे गई थी?
8. अजित के धर पर बंसीलाल को किसने भेजा था?
9. दावन किसके धर रखी गयी थी?
10. टॉफी का डन्बा कहाँ पर संभालकर रखा गया था?

II. किन्हीं **दो** का संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **(2 × 7 = 14)**

1. अब तुम चाहे कुछ भी कहो, पर इस सबके लिए जिम्मेदार तुम ही हो, समझी।
2. बस तुम्हारी चही आदत मुझे उच्छी नहीं लगती ज़रा अपने ऊपर भरोसा रखाना सीखों।
3. समझ में नहींआता किसे दोष हूँ। लगता है जैसे कोई बुरे ग्रह तुम लोगों पर आए हुए थे।

Scanned by CamScanner

III. बिना दिवारो के घर नाटक में चित्रित पारिवारिक मूल्यों पर प्रकाश डालिए। **(1 × 16 = 16)**

अथवा

'बिना दिवारों के घर' नाटक के आधार पर अजित का चरित्र – चित्रण कीजिए।

IV. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए। **(2 × 5 = 10)**

1. जयन्त।
2. शोभा।
3. चावला।

V. किसी एक साहित्यकार का परिचय दीजिए। **(1 × 10 = 10)**

1. भीष्मसाहनी
2. विष्णुप्रभाकर

VI. निम्नलिकित अनुच्छेद को शीर्षक देते हुए एक तिहाई में संक्षेपण कीजिए। **(10 × 1 = 10)**

भारत के इतिहास में किसी पाठक को सबसे बड़ी विशेषता दिखायी देती है वह हे कीसी विभिन्नता। भारत की भौगोलिक बनावट में कम से कम और अधिक से अधिक अक्षांश, जलवायु, तथा तापमान देखने को। मिलने है इस देश मे गगन चुम्बी हिमाच्छारित पर्वत समतल पेटेवाली नदियाँ जो अपने साथ उर्वरा मिट्टी लाती है, हरे भरे उपजाऊ औ धनी आबाखाले मैदान तथा निर्जन विरान रेगिस्तान पति निराली शोभा से सुशोभित होते हे। जातीय विज्ञान की दृष्टी से भारत वर्ष में अनेक प्रकार की जिनियाँ पायी जाती हैं। इन जातियों में यदि उच्चतम सभ्यता का प्रनिनिधित्व करनेवाली जातीयाँ है तो असब्य से असभ्य जातियाँ भी हैं।जातियों और भाषाओं की इस असाधारण विभिन्नता। के कारण भारत में अनेक राज्य और संप्रदाय बने जिनका अपना अलग इतिहास विभिन्नत और विकास क्रम है।

Scanned by CamScanner